संदेश

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 152वीं वर्षगांठ के अवसर पर, मैं कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं।

विश्व में गांधीजी को उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए विशेष रूप से जाना जाता है और उनके जन्म–दिवस को अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। गांधीजी कहते थे कि अहिंसा एक दर्शन है, एक सिद्धांत है और एक अनुभव है जिसके आधार पर समाज को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने स्वराज्य प्राप्ति, समाज से अस्पृश्यता हटाने, अन्य सामाजिक बुराइयों को मिटाने, किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने और महिला सशक्तीकरण आदि के लिए भी पुर-जोर प्रयास किए।

गांधी जयंती सभी भारतीयों के लिए एक विशेष दिन है। यह हमारे लिए गांधीजी के संघर्ष और त्याग को स्मरण करने का अवसर है। इस अवसर पर हमें यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम सब देशवासियों की खुशहाली और भारत के विकास के अपने संकल्प को लेकर आगे बढ़ते रहेंगे।

आइए, हम सब उनकी शिक्षाओं, आदर्शों और जीवन-मूल्यों का अनुसरण करते हुए यह संकल्प लें कि हम सब उनके सपनों का भारत बनाने की दिशा में सतत प्रयत्नशील रहेंगे।

****